



खेल जगत



रजत पाटीदार
राष्ट्रदूत अजमेर, 2 जून, 2026

अक्सर सोचता था कि विनिंग शॉट मैं ही लगाऊं : विराट कोहली

अहमदाबाद, 1 मई। यह वही पल है जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की।" यह भावुक बयान क्रिकेट जगत के नेता बल्लेबाज विराट कोहली का है, जिन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ चेज मास्टर क्यों कहा जाता है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में नाबाद 75 रनों की जाबाज पारी खेलकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाने वाले विराट कोहली को उनके अद्भुत प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान को जूझा उनका वह गगनचुंबी छक्का इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया, जिसने आरसीबी को लगातार दूसरा खिताब दिलाया। कोहली ने 42 गेंद में नौ चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये।



उन्होंने पुरस्कार समारोह में कहा, "यह वही पल है जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की। बल्लेबाजी के लिए उतरते समय मैं पूरी तरह सहज था। हमारी जड़ उनका वह गगनचुंबी छक्का इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया, जिसने आरसीबी को लगातार दूसरा खिताब दिलाया। कोहली ने 42 गेंद में नौ चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये।

आईसीसी का बड़ा फैसला : टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी से निपटने के लिए गुलाबी गेंद का परीक्षण मंजूर

नई दिल्ली, 1 मई। आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की वजह से खेल रकने की समस्या को कम करने के लिए एक नए प्रयोग को मंजूरी दे दी है। मौजूद जानकारी के अनुसार अब ऐसे टेस्ट मैचों में, जहां खराब रोशनी की संभावना होगी, लाल गेंद की जगह गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों को पूर्व सहमति जरूरी होगी। गौरतलब है कि अब तक गुलाबी गेंद का उपयोग केवल दिन-रात्रि टेस्ट मैचों में किया जाता रहा है। विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में इस तरह के मुकाबले नियमित रूप से खेले जाते हैं। लेकिन अब आईसीसी दिन के समय खेले जाने वाले टेस्ट मैचों में भी आवश्यकता पड़ने पर लाल गेंद से गुलाबी गेंद पर बदलाव का परीक्षण करना चाहता है, ताकि कृत्रिम रोशनी में खेल जारी रखा जा सके और खराब रोशनी के कारण होने वाले समय

और ओवरों के नुकसान को कम किया जा सके। यह फैसला अहमदाबाद में आयोजित आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया। बोर्ड ने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की समिति की कई सिफारिशों को मंजूरी दी है। हालांकि बताया जा रहा है कि इस नई व्यवस्था को लागू करने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है, इसलिए 4 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टेस्ट श्रृंखला में इसका इस्तेमाल संभव नहीं होगा। बता दें कि आईसीसी ने खराब रोशनी की समस्या से स्थायी समाधान खोजने के लिए अनुसंधान को भी मंजूरी दे दी है। परिषद अब मैच अधिकारियों और स्ट्रेडियमों के लिए बेहतर प्रकाश व्यवस्था तकनीक पर शोध करेगी। इस परियोजना में मेरिलीबोन क्रिकेट क्लब यानी एमसीसी भी सहयोग करेगा। इसके अलावा सीमित ओवर क्रिकेट में भी एक महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है।

अपने आईपीएल करियर के सबसे तेज अर्धशतक (25 गेंद) पर उन्होंने कहा, "यह आपको लगातार बेहतर करने का लक्ष्य देता है। मुझे अपने खेल में बहुत बड़ा बदलाव नहीं करना था, बल्कि सोच बदलनी थी। गेंदबाजों पर दबाव बनाकर अतिरिक्त रन जुटाने की जरूरत थी।" कोहली ने कहा कि टीम का पहला लक्ष्य अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना था।

उन्होंने कहा, "एक बार हम शीर्ष पर पहुंच गए तो हमारे सामने कौन-सी टीम है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। हम सभी टीमों का सम्मान करते हैं और किसी को उकसाने में विश्वास नहीं रखते। हमारे पास अनुभवी और परिपक्व पेशेवर खिलाड़ी हैं और बड़े टीम का संयोजन ऐसा है जो किसी भी परिस्थिति से बाहर निकलने का भरपूर देता है।" उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय उन्हें अपनी भूमिका और रणनीति पूरी तरह स्पष्ट थी। कोहली ने कहा, "मुझे पता था कि रन-चेज में क्या करना है। युवा खिलाड़ियों को मौजूदगी आपको लगातार अपने खेल में सुधार करने और नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती है।"

पिछले साल 11 मौतों से लिया सबक, आईपीएल खिताब जीतने के बाद भी आरसीबी नहीं निकालेगी विजय जुलूस

नई दिल्ली, 1 मई। पिछले साल को भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रिविwar को यहां गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनिर्वाचक मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए ही लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्हास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी।

आईपीएल 2026 एमवीपी बनने के बाद सूर्यवंशी बोले - इस साल मैंने खेल को परिस्थितियों के अनुसार ढालना सीखा



अहमदाबाद, 1 जून। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का पुरस्कार जीतने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि इस सीजन उन्होंने दबाव में बल्लेबाजी करना और मैच की परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को ढालना सीखा है। रिविwar दर रात आरसीबी और गुजरात के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले के बाद आयोजित अवार्ड समारोह में पुरस्कार जीतने के बाद प्रसारकों से बातचीत में वैभव ने कहा, "इस सीजन मैंने दबाव में बल्लेबाजी करना सीखा है। मैंने यह भी सीखा है कि परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को कैसे बदला जाए। आप हर मैच में एक जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकते। आपको मैच की स्थिति को समझकर उसी के अनुसार खेलना होता है, खासकर प्लेऑफ जैसे बड़े मुकाबलों में।" महज 15 वर्षीय वैभव ने आईपीएल 2026 में धमाकेदार

प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए उन्होंने 48.50 की औसत और 237.31 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को क्वालिफायर-2 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनके बल्ले से पांच अर्धशतक और एक शतक भी निकला।

वैभव ने इस सीजन व्यक्तिगत पुरस्कारों पर भी अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन, सुपर सिक्ससेस ऑफ द सीजन, ऑपन कैप और एमवीपी ऑफ द सीजन जैसे सभी प्रमुख सम्मान अपने नाम किए। सीजन के बाद अपनी आगे की योजनाओं पर बात करते हुए वैभव ने कहा कि वह अब अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, "मुझे अपनी फिटनेस पर फोकस करना होगा क्योंकि मैं लंबे समय तक क्रिकेट खेलना चाहता हूँ और चोटों से दूर रहना चाहता हूँ।" उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के टीम प्रबंधन और सीनियर खिलाड़ियों का आभार जताते हुए कहा, "सभी ने मेरा बहुत समर्थन किया है। टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने हमेशा मेरा हाँसला बढ़ाया। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है क्योंकि वे सभी उच्च स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं। उनसे सीखने का मौका मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है।"

दूसरी अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का आगाज उद्घाटन मैच में राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने जयपुर फुटबॉल क्लब को 7-1 से रौंदा

जयपुर, 1 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का शुभारंभ रिविwar को पूर्णिया यूनिवर्सिटी, जयपुर के फुटबॉल मैदान पर हुआ। 1 जून से 27 जून 2026 तक चलने वाली इस लीग में कुल 56 मैच खेले जाएंगे। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि उद्घाटन दिवस पर चार मुकाबले खेले गए। पहला मैच: राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने जयपुर फुटबॉल क्लब को 7-1 से हराया। राजस्थान फुटबॉल स्कूल: आराध्य (6, 19, 22, 50), उज्ज्वल (8), राघव (12), अयन (34) ने गोल किए। जयपुर फुटबॉल क्लब: अयानांश (30) ने एकमात्र गोल किया। दूसरा मैच: जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स ने जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब को 4-0 से हराया। जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स: महेश मीणा (28, 55), कृष रोशन (25), लवित्रा (35 2) ने गोल किए।

तीसरा मैच: रॉयल फुटबॉल क्लब ने ब्रदर्स यूनाइटेड को 2-1 से हराया। रॉयल एफसी के समर (23), मोबीन (50) ने गोल किए। ब्रदर्स यूनाइटेड: के नकुल (52) ने एकमात्र गोल किया। चौथा मैच: एएसएल फुटबॉल क्लब ने रेड स्टोन फुटबॉल क्लब को 1-0 से हराया। एएसएल एफसी: सर्वसिद्ध (29) ने गोल किया। यह लीग राजस्थान में ग्रासरूट फुटबॉल को मजबूत करने की दिशा में आरएफए का एक और बड़ा कदम है। लीग विवरण: इस लीग में प्रदेश की 8 सबसे अच्छी टीमों हिस्सा ले रही हैं: 1. रॉयल फुटबॉल क्लब, जयपुर 2. ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब, जयपुर 3. रेड स्टोन फुटबॉल क्लब, जयपुर 4. राजस्थान फुटबॉल स्कूल, जयपुर 5. एलीट फुटबॉल क्लब, जयपुर 6. एएसएल फुटबॉल क्लब, जयपुर 7. जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल क्लब 8. जयपुर फुटबॉल क्लब

यूनियन फुटबॉल क्लब में रग्बी खेल का शुभारंभ, जयपुर की 13 टीमों ने भाग लिया



जयपुर, 1 जून। देश के सबसे प्राचीन खेल संस्थानों में से एक, वर्ष 1889 में स्थापित यूनियन फुटबॉल क्लब, जयपुर (ट्रस्ट) में आज रग्बी खेल का औपचारिक शुभारंभ किया गया। क्लब के कॉर्डिनेटर एवं ट्रस्टी अभिनव स्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि यूनियन फुटबॉल क्लब अपने खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करते हुए अब रग्बी खेल को भी अपने नियमित खेलों में शामिल किया। रग्बी प्रतियोगिता का उद्घाटन क्लब ग्राउंड संख्या-2, रामनिवास बाग, जयपुर में क्लब पदाधिकारियों एवं राजस्थान रग्बी संघ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में जयपुर की कुल 8 बालक एवं 5 बालिका टीमों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के अंतर्गत टच रग्बी तथा टेकल रग्बी के रोमांचक मुकाबले हुए। इस अवसर पर यूनियन फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह 'साहिल', उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, सचिव महिपाल स्वामी, राजेन्द्र सिंह शेखावत, आर. के. हनुमन्त सिंह, कोषाध्यक्ष योगिनी भाव्या राजावत, राजस्थान टच रग्बी एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष शंकर गौतम, शारीरिक शिक्षा संघ के उपाध्यक्ष एवं दौसा जिला टच रग्बी संघ के अध्यक्ष जगदीश गोपाल गुरु शर्मा, चैना राम, राजस्थान रग्बी के पदाधिकारी श्याम सिंह राजावत, दिग्विजय सिंह, पंकज सैनी, आशीष, दिलीप सिंह, तरुण पंचार, हंडबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षय राज सिंह राठौड़, आर. एल. लम्बा, कबड्डी कोच

टच रग्बी प्रतियोगिता परिणाम
बालिका वर्ग: यूनियन रग्बी क्लब - विजेता
 निकिता पब्लिक स्कूल - उपविजेता
बालक वर्ग: शौर्य जननी फाउंडेशन - विजेता, ब्लैक पैथर - उपविजेता
टेकल रग्बी प्रतियोगिता परिणाम
पुरुष वर्ग: ब्लैक पैथर - विजेता, शौर्य जननी फाउंडेशन - उपविजेता
बालिका वर्ग: ब्लैक पैथर - विजेता, डी.आर. क्लब - उपविजेता

राज नारायण शर्मा, प्रतिष्ठा स्कूल संस्था की संस्थापिका अर्पिता माथुर, ब्रह्मन ग्लोरी फाउंडेशन के संस्थापक प्रमोद जैन, मनीषा जैन, राजस्थान बार कार्डसिल अध्यक्ष राजीव सोगरवाल, प्रेक स्वामी, पल्लवी जैन, ग्राउंड इंचार्ज गौरव जो, 94 वर्षीय गोपाल कृष्ण तेलंगना, प्रवीण शर्मा, सहित सैकड़ों खिलाड़ी, अभिभावक एवं खेल प्रेमी सैनी, आशीष, दिलीप सिंह, तरुण पंचार, हंडबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षय राज सिंह राठौड़, आर. एल. लम्बा, कबड्डी कोच

राजस्थान सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप जयपुर की कचनार, रितिशा, निकिता और रिंकू ने भी जीते स्वर्ण पदक

आदेश गरसा और डोना धाकड़ बने सबसे तेज धावक



जयपुर, 1 जून। बीकानेर के सादुल स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित राजस्थान सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झुंझरू के आदेश गरसा और जयपुर की डोना धाकड़ ने क्रमशः पुरुष एवं महिला वर्ग की 100 मीटर दौड़ का खिताब जीतकर प्रदेश के सबसे तेज

धावक-धाविका बनने का गौरव हासिल किया। आदेश गरसा ने 10.81 सेकंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता। अजमेर के अभिजीत लोंबे दूसरे और भरतपुर के शैलेन्द्र चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में डोना धाकड़ ने 12.12 सेकंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान प्राप्त किया। बीकानेर की टीना पारीक दूसरे तथा जयपुर की कशिश चोमाल तीसरे स्थान पर रही। समापन समारोह में राजस्थान ओलंपिक संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह तथा राजस्थान एथलेटिक्स एसोसिएशन के महासचिव देवनारायण ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। चैम्पियनशिप में पुरुष वर्ग में श्रीगंगानगर के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला, जबकि महिला वर्ग में जोधपुर की एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। जयपुर के मानव शर्मा ने 10 हजार मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। महिला वर्ग में अंतरराष्ट्रीय एथलीट कचनार चौधरी ने शॉटपुट, निकिता कुमारी ने डिस्कस थ्रो, रिंकू चौधरी ने ट्रिपल जंप और रितिशा कौर ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

75वीं सीनियर स्टेट एक्वेटिक चैम्पियनशिप 2026 योग्या व दक्षिणा ने बनाए नए रिकॉर्ड



जयपुर, 1 जून। योग्या सिंह (भीलवाड़ा) और दक्षिणा जोशी (टोंक) ने 75वीं सीनियर स्टेट एक्वेटिक चैम्पियनशिप 2026 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए नए रिकॉर्ड कायम किए। प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर जिला तैराकी संघ द्वारा स्टेडियम स्विमिंग पूल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन दस से अधिक प्रतियोगिताओं का फैसला हुआ। योग्या सिंह ने महिला 100 मीटर बैकस्ट्रोक में अपने नाम किया। 4 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में हरिका, आध्या, अश्विका और बान्ना की जयपुर टीम ने 5:03.90 मिनट के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं सर्वा, आध्या, सिद्धिदा और बान्ना की टीम ने अपनी

कीर्तिमान स्थापित किया। महिला वर्ग - रतिका खता (धौलपुर) ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता 2:17.32 मिनट में जीत ली। अश्विका चौधरी (जयपुर) ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में 24:06.06 मिनट के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। आध्या बूजेश ने 500 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का खिताब 39.41 सेकंड में अपने नाम किया। 4 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में हरिका, आध्या, अश्विका और बान्ना की जयपुर टीम ने 5:03.90 मिनट के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं सर्वा, आध्या, सिद्धिदा और बान्ना की टीम ने अपनी

रिले प्रतियोगिता में 5:43.84 मिनट के समय के साथ जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग - मोहम्मद अनस (भीलवाड़ा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक दोनों प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीता। हिमांशु सियाग ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल का खिताब 18:17.22 मिनट में जीता। साहिल गुप्ता (जयपुर) ने 200 मीटर बटरफ्लाइ प्रतियोगिता में 2:29.72 मिनट के समय के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। यश तिवारी, गौरण, कृष्णाविल्य और पृथ्वीराज की टीम ने 4 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले का खिताब आठ दिन पहले का सफल समापन किया। शाम का मुख्य आकर्षण एमजीडी स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सिंक्रोनाइज्ड स्विमिंग का मनोमोहक प्रदर्शन रहा। जयपुर के दर्शकों ने पहली बार इस खेल का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखा। समारोह के मुख्य अतिथि वैभव गालरिया, वित्त विभाग के मुख्य शासन सचिव, राजस्थान सरकार थे। विजेताओं को पुरस्कार अनिल व्यास, अध्यक्ष, राजस्थान तैराकी संघ ने प्रदान किए।